अनुक्रमणिका

पृष्ठ क्रमांक

प्रथम अध्याय मृदुला गर्ग : व्यक्तित्व एवं कृतित्व **1 से 22**

प्रस्तावना

1.1 जन्म, बचपन तथा शिक्षा।

1.2 माता-पिता ।

1.3 वैवाहिक जीवन।

1.4 परिवार-पारिवारिक दायित्व और लेखन ।

1.5 व्यक्तित्व ।

1.5.1 बाहयरंग व्यक्तित्व ।

1.5.2 आंतरिक व्यक्तित्व ।

1.5.2.1 सामाजिक चेतना ।

1.5.2.2 कलाप्रियता ।

1.5.2.3 घुमक्कडी वृत्ति।

1.5.2.4 बागवानी का शौक ।

1.5.2.5 सौंदर्य प्रेम ।

1.5.2.6 संवेदनशीलता ।

1.6 साहित्य में पदार्पण ।

1.7 मृदुलाजी पर प्रभाव ।

1.8 साहित्यिक दृष्टि ।

1.9 कृतित्व (साहित्य संपदा) ।

1.9.1 कहानी संग्रह ।

1.9.2 उपन्यास ।

1.9.3 नाटक ।

1.9.4 लेखसंग्रह।

1.9.5 संस्मरण।

1.9.6 अनुवाद साहित्य।

1.10 पुरस्कार एवं सम्मान।

निष्कर्ष।

द्वितीय अध्याय : 'मृदुला गर्ग की कहानियों की कथावस्तु का अनुशीलन' 23 से 57

प्रस्तावना

2.1 सामाजिक कहानीयाँ।

2.2 आर्थिक विषमता पर आधारित कहानी।

2.3 राजनीतिक कहानियाँ।

2.4 जीवन-मूल्यों का अवमूल्यन पर आधारित कहानी।

2.5 दांपत्य संबंध पर आधारित कहानियाँ ।

2.6 दांपत्येतर संबंध पर आधारित कहानी।

2.7 नारी दृढ संकल्प पर आधारित कहानी।

2.8 नारी का दमन और शोषण पर आधारित कहानियाँ।

2.9 नारी स्वातंत्र्य की छटपटाहट एवं नारी चेतना पर आधारित कहानी।

2.10 नारी की प्रणयानुभूती पर आधारित कहानियाँ ।

2.11 मृत्युबोध पर आधारित कहानियाँ।

निष्कर्ष ।

तृतीय अध्याय : 'मृदुला गर्ग कहानियों का चरित्रगत अध्ययन' 58 से 103

प्रस्तावना

3.1 मुख्य पात्र।

3.1.1 मुख्य पुरूष पात्र।

3.1.2 मुख्य नारी पात्र।

3.1.2.1 गौण पात्र।

3.1.2.1.1 पुरूष गौण पात्र।

3.1.2.1.2 नारी गौण पात्र।

3.2 चरित्र चित्रण की विशेषताएँ।

3.3 निष्कर्ष।

चतुर्थ अध्याय : 'मृदुला गर्ग की कहानियों की भाषाशैली' 104 से 129

प्रस्तावना

4.1 मृदुला गर्ग की विवेच्य कहानियों में भाषा का स्वरूप।

4.1.1 भाषा में बिम्बों का प्रयोग।

4.1.2 भाषा में प्रतीक।

4.1.3 अलंकारिक भाषा ।

4.1.4 चिंतनप्रधान भाषा।

4.1.5 व्यंग्यात्मक भाषा।

4.1.6 दृष्यात्मक भाषा।

4.1.7 वातावरणप्रधान भाषा।

4.1.8 डॉटस् भाषा।

4.1.9 पात्रानुकूल भाषा।

4.1.10 प्रसंगानुकूल भाषा

4.1.11 हिंदीतर भाषा।

4.1.12 भदेश भाषा।

4.1.13 स्वच्छंद भाषा।

4.1.14 शब्दप्रयोग।

4.1.14.1 अंग्रेजी शब्द।

4.1.14.2 उर्दु-फारशी के शब्द।

4.1.14.3 देशज शब्द।

4.1.14.4 तद्भव शब्द ।

4.1.14.5 समुचय शब्द।

4.1.14.6 कहावते ।
4.2 शैली ।
4.2.1 वर्णनात्मक शैली ।
4.2.2 विश्लेषणात्मक शैली ।
4.2.3 आत्मकथात्मक शैली ।
4.2.4 पूर्वदीप्ति शैली ।
4.2.5 संवादात्मक शैली ।
4.2.6 फँटसी शैली ।
4.2.7 पत्रशैली ।
4.2.8 आँचलिक शैली ।
निष्कर्ष ।

पंचम अध्याय : 'मृदुला गर्ग की कहानियों में चित्रित समस्याएँ ' 130 से 151

प्रस्तावना
5.1 विवाह से संबंधित समस्याएँ ।
5.1.1 कुरूपता के कारण उत्पन्न हुई समस्या ।
5.2 पति-पत्नी के रिश्तों का खोखलापन की समस्या ।
5.3 कन्या जन्म की समस्या ।
5.4 यौन समस्या से पीडित नारी की समस्या ।
5.5 नारी की विवशता तथा शोषण की समस्या ।
5.6 व्यसनाधीनता की समस्या ।
5.7 अंधविश्वास की समस्या ।
5.8 निम्नवर्गीय लोगों की समस्या।
5.8.1 नौकरो तथा श्रमिक लोगों की समस्या ।
5.9 रिश्वतखोरी तथा भ्रष्टाचार की समस्या ।
5.10 आर्थिक समस्या ।
निष्कर्ष

उपसंहार	**152 से 157**
संदर्भ ग्रंथ सूची	**158 से 159**
परिशिष्ट	

****